

भारत के राजदूत श्री अंशुमान गौर के वक्तव्य
हिंदी दिवस समारोह
अमृता शेर-गिल सांस्कृतिक केंद्र, बुडापेस्ट
25 सितंबर 2025

यो एस्तेत!

ओरोम्मेल उद्वोजलोक मिन्देनकित इत्त!

मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथिगण, प्रिय शिक्षकों और प्यारे विद्यार्थियों,

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ! आज हम सब यहाँ हिंदी के महत्व और उसकी सुंदरता का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता और हमारी पहचान का प्रतिबिंब है। यह वह धागा है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ता है और हमें एक राष्ट्र के रूप में बांधे रखता है।

भारत मां के गौर भाल पर,
चमक रही जो बिंदी है,
वह कुमकुम का रंग नहीं है,
अपनी भाषा हिंदी है...!!

हमारे देश की विविधता में, हिंदी एकता का एक मजबूत स्तंभ है। यह हमें हमारे इतिहास और विरासत से जोड़ती है। साहित्य के क्षेत्र में हिंदी का योगदान अतुलनीय है। कबीर, तुलसी, प्रेमचंद और प्रसाद जैसे महान लेखकों ने हिंदी को एक समृद्ध और गौरवशाली रूप दिया है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम इस भाषा के वाहक हैं।

हिंदी का इतिहास बहुत पुराना है। इसकी जड़ें प्राचीन संस्कृत भाषा में हैं, जहाँ से यह प्राकृत और अपभ्रंश जैसी भाषाओं से होते हुए वर्तमान स्वरूप में विकसित हुई। स्वतंत्रता के बाद, हिंदी को देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया, जिसने इसके विकास को एक नई दिशा दी। आज, यह सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली और समझी जाती है, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और भी मजबूत हुई है।

आ काष्णोलतोक इन्दिया ऐश मदयारोर्सज़ाग कोज़ोट्त् नागीन रेगेक ऐश मीयेक।
ब्यूस्केसेगेर्गल टोल्ट एल, होगी मदयारोर्सज़ागोन अ हिन्दी ऐश अ न्येलवेक
तानूलमान्योज़ाशानक होस्सू ऐश दिचो हग्योमान्या वॉन।

Great Hungarian scholars, such as Alexander Csoma de Kőrösi carried out pioneering research in Indian languages and culture as early as the 19th century. He visited India and prepared the first Tibetan grammar and dictionary. Since then, many scholars have continued this tradition. In such prestigious institutions as the OTVOSH Loránd University in Budapest, great emphasis is placed on Hindi and Indian Studies. This proves the deep respect and curiosity that exists in Hungary towards Hindi and Indian knowledge.

हिंदी केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का दर्पण भी है। हमारे त्यौहार, रीति-रिवाज, लोक कथाएं और सदियों से चली आ रही परंपराएं हिंदी के माध्यम से ही जीवित हैं। हिंदी सिनेमा, संगीत और कला ने इसे दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। यह हमें हमारी जड़ों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक ताने-बाने से जोड़े रखती है, जिससे हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रख पाते हैं।

The greatest respect one can give to any language is to speak in it. Without worry about purity or correctness. A great language accepts the flaws and grows richer by it.

किसी भी भाषा का सबसे बड़ा सम्मान उसे व्यवहार में लाना है। उसकी शुद्धता या त्रुटिहीनता की चिंता किए बगैर। एक महान भाषा अपनी कमियों को भी अपना लेती है और उन्हीं से और अधिक सशक्त होती जाती है।

The special thing about Hindi is its simplicity. Its grammar is quite systematic, and it's written the way it's spoken, which makes it very easy to learn and read. Its scientific script, Devanagari, makes it a phonetic language. People who start learning Hindi for the first time are very attracted by this simplicity, which helps them adopt it easily.

Today, when new languages and technologies are being adopted across the world, it is our responsibility to advance our own language. We shouldn't limit Hindi just to schools or books, but rather make it a part of our daily life. When we talk, think, and write in our language, we stay connected to our roots.

मैं युवाओं से विशेष रूप से अनुरोध करता हूँ कि वे हिंदी को गर्व के साथ अपनाएं और इसे बोलचाल में इस्तेमाल करें। नई पीढ़ी ही किसी भी भाषा का भविष्य होती है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम हिंदी को केवल एक विषय के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत और विकसित होती हुई भाषा के रूप में देखें।

अंत में, मैं इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। आइए, हम सब मिलकर हिंदी को और अधिक सम्मान और महत्व दें। जय हिंदी, jai Hungary, जय भारत!

धन्यवाद।